कुल पृष्ठ संख्या - 32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 136888

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी साहित्य

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 01-04-2021

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	80
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17		80	अस्सी
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 179/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड - (अ)
प्रश्न. 1		
उत्तर. 1	(i)	(अ) बड़ों का - - - - - - - - - - - - ?
	(ii)	(स) गौतम बुद्ध की मूर्ति
	(iii)	(ब) रघुवीर सहाय
	(iv)	(द) रामचरितमानस
	(v)	(अ) जादूघर की
	(vi)	(ब) नगांतलाई गाँव का
	(vii)	(स) मसीहा
7	(viii)	(द) मानवता दर्शन
	(ix)	(स) नायक के लिए

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(x)	(ब) उल्टा पिरामिड शैली
	(xi)	सामान्य जन समुदाय के लिए
3	(xii)	खेल समाचारों के लिए।
प्रश्न. 2 उत्तर. 2	(i)	~~क्लिष्टत्व दोष~~ प्रसाद गुण
	(ii)	क्लिष्टत्व दोष
	(iii)	~~कुण्ड~~ कुण्डलियाँ छंद
	(iv)	हरि
5	(v)	दृष्टान्त अलंकार
	(vi)	मानवीकरण

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न .	3	- - ? - - - - - - - - - - - - ?
उत्तर .	3 (i)	विश्व के किसी भी देश के पास ऐसी भूमि और संसाधन नहीं है, जो उसे सब प्रकार से संपन्न बना सके।
	(ii)	परिणामस्वरूप उसे दूसरे से दबना पड़ता है और अनिवार्य रूप से अवांछित समझौते करने पड़ते हैं।
	(iii)	परमाणु परिक्षण करने के पश्चात विश्व ने हम पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाये परन्तु उसका क्या परिणाम निकला क्या और हमारे देश का काम रुका।
	(iv)	इराक पर प्रतिबंध लगने के बाद उसे दाने-दाने के लिए तरसना पड़ा।
6	(v)	देशवासियों को किसी भी कष्ट का सामना नहीं करना पड़ा।
	(vi)	विश्व में परमाणु परिक्षण।

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न . 4

उत्तर. 4

- - ? - - - - - - - - ?

(i) मीरा ने राम रतन धन पायो।

(ii) वस्तु अमोलक दी।

(iii) मीरा ने सब कुछ खोकर श्री कृष्ण भगवान की भक्ति में लीन होकर उसका प्रेम ही सबसे बड़ा धन था।

(iv) मीरा की धन विशेषता यह है कि उसने जन्मों - जन्मों की पूंजी पाई परन्तु संसार में खो आई और खर्च नहीं करती परन्तु उसे कोई चोर भी नहीं लेता और दिन - प्रतिदिन बढ़ता जाता है।

(v) जब श्रीराम वनवास जा रहे थे तब केवट ने प्रभु के पैर धोकर अपनी भाव में बिठाकर बहुत विशाल सागर को पारकर करके किनारे पर छोड़ा।

(vi) मीरा के प्रभु गिरधर नागर।

6

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न.5

उत्तर.5 उमाशंकर जोशी, मण्डित प्रसाद नारायण।

2

प्रश्न.6

उत्तर. 6 मोहिआइन गुस्से उठती है और संवदिया को डाटती है और कहती तुम जब पैसे मांगते तो तब तो ऐसा नहीं कहते हो जब हम हमारे पैसे आपसे मांगते है तब आप ऐसा बोलते है तुम्हें तो मांगकर खाने की आदत हो रही है मुझे नहीं पता कब तक मुझे मेरे पैसे चाहिए इतनी बात सुनकर संवदिया चुप हो जाता है।

2

प्रश्न.7

उत्तर. 7 सरोज स्मृति की मुख्य विशेषता यह है कि सरोज की बचपन में ही माता खत्म हो गई थी और इसका पालन-पालन इसके नानी, मामा, मामी ने किया था और सरोज के पिताजी ने ही सरोज विवाह किया इसने सरोज के विवाह में किसी को नहीं बुलाया और फिर थोड़े दिन बाद सरोज की मृत्यु हो गई थी इसलिए इसके पिता ने इसकी याद में "सरोज स्मृति" की एक रचना किया।

2

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न. 8

उत्तर. 8 — — — — — — — — — — — ?

आशय

कवि कहता है कि एक नायक अपनी से दुर रहकर भी आँखो ही आँखो में बात करता है कानन कमल खण्डी के समान दुर रहकर आँखो से आपस में बात कर लेते है।

(2)

प्रश्न. 9

उत्तर. 9 — — — — — — — — ?

क्योंकि भैरों ने सुरदास के बारे में गलत सोचकर उसकी सारी मेहनत की कमाई भैरों ने ले ली परन्तु जगधर को ये पता चला तो उसे लालच आ गया वह भी उसमें आधा लेना चाहता था था परन्तु क्या करे भैरों उसे दे नहीं रहा था इसलिए जगधर मन ही मन में गाली दे रहा था।

(2)

प्रश्न. 10

उत्तर. 10 — — — — — — — — ?

अमेरिका की फेंको - उजाड़ू जीवन पद्धति ने दुनिया को इसलिए प्रभावित किया की को पहले इस फेंको - उजाड़ू सभ्यता ने देश को दुषित कर रखा है क्योंकि जगह - जगह फैक्ट्री, उद्योग होने के कारण पानी दुषित हो रहा है परन्तु दुर से देखे तो ऐसा लगता है कि पानी ही पानी है परन्तु

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		जब मारस जाकर छिपते है तो वहाँ कुछ भी नहीं दिखाई देता इसलिए वर्तमान में दुनिया इससे प्रभावित हो रही है।
प्रश्न.	11	
उत्तर.	11	**प्रतीप अलंकार**
		उपमेय को उपमान से अधिक श्रेष्ठ समझा लिया जाता है तो उसे प्रतीप अलंकार कहते है।
2		उदा० ① राधा (उपमान) का मुख चन्द्रमा (उपमेय) है
प्रश्न.	12	
उत्तर.	12	कविता में बिम्ब और छंद नयापन लाता है और कविता में बिम्ब और छंद इन्द्रियों को महसूस करने में सहायक होते है। कविता में बिम्ब और छंद मजबूती प्रधान करते है।
2		
प्रश्न.	13	
उत्तर.	13	**मुखड़ा**
2		टेक को मुखड़ा कहते है इसमें बात को विस्तार न लिखकर उसकी विशेष बातो को लिखते है उसका विशेष शीर्षक लिखकर समाप्त कर देते है।

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न. 15
उत्तर. 15

भीष्म साहनी का जन्म 1979 में उत्तरप्रदेश के फेवड़ी गाँव में हुआ था इनका जीवन बहुत कष्टों से बीता था।

रचनाएँ

अमझार, नीड़ के बसरे, अकाल आदी।

पुरूषकार

साहित्य अकादमी, हिन्दी पुरूषकार आदि।

प्रश्न. 16
उत्तर. 16

रघुवीर सहाय का जन्म ~~1846~~ 1825 ई. में पं.बंगाल के वादाँ जि गाँव में हुआ था इनकी रचनाएँ प्रेम से सम्बन्धित है।

रचनाएँ

अकाल, आँधी, धूम, बारहमासा, आदि।

पुरूषकार

साहित्य अकादमी
सोवियत लैंड नेहरु पुरूषकार।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न.	17	
उत्तर.	17	देवसेना का गीत कवि जयशंकर प्रसाद ने लिखा था इसमें देवसेना स्कन्दगुप्त चन्द्रगुप्त से प्रेम करती थी तब एक दिन देवसेना चन्द्रगुप्त को अपने प्रेम की बात बताई की मैं आप से प्रेम करती हूँ आप विवाह करोगे मेरे से परन्तु चन्द्रगुप्त तो और ही दूसरी से प्रेम करता था इसलिए चन्द्रगुप्त ने देवसेना के प्रेम को ठुकरा दिया इसलिए देवसेना वहाँ चली गई तब चन्द्रगुप्त जब विजया से प्रेम का हाथ मागँने गये तो विजया ने चन्द्रगुप्त को ठुकरा दिया इसलिए जब चन्द्रगुप्त वहाँ से निरास होकर देवसेना के पास जाता है और कहता है। मेरी गलती का अहसास मुझे हो गया इसलिए मैं आप से विवाह करना चाहँता हूँ परन्तु अब देवसेना मना कर देती है। फिर चन्द्रगुप्त कहता अब क्यो ? फिर देवसेना कहती है कि मैंने आजीवन अविवाहित रहने का प्रण कर लिया है इसलिए ठीक है अब जाओ यहाँ से फिर चन्द्रगुप्त वहाँ से चुपचाप चला जाता है।
प्रश्न.	18	
उत्तर.	18	साझा कहानी एक मनुष्य व हाथी पर लिखी गई है। तब किसान अपनी खेती

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

में गन्ने की खेती की तो तभी उसमें एक हाथी आता है और कहता है ये दोस्त आज अपन दोनों साजा की खेती करते हैं। मैं तेरी खेती की रखवाली करूँगा। किसी भी जानवर को इसमें आने नहीं दूँगा फिर किसान बोलता है ठीक है। तभी हाथी जंगल में जाता है और कहता है। कि गन्ने की खेती का मालिक मैं हूँ अगर उसमें कोई गया तो देख लेना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा तब गन्ने की खेती तैयार होती है तब हाथी किसान के पास जाकर कहता है। कि चलो - चलो खेती तैयार हो गई आदा - आदा करे किसान और हाथी वहाँ चल देते हैं तब हाथी कहता है गन्नों का एक छोर तू ले और एक छोर मैं लेता हूँ तब धीरे - धीरे किसान हाथी की तरफ खींचता चला जा रहा था इसलिए आज के युग में लोग गरीबों का शोषण करते हैं।

प्रश्न 19

उत्तर 19 सुरदास इसलिए गुप्त रखना चाहता था क्योंकि अगर वह अपने धन के बारे में दूसरों से पूछताछ करता तो लोग हसते उसका मजाक बनाना

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आदी लोग उसे नीचा दिखाना चाहते थे इसलिए वह अपने मन में उस धन की पोटरी को रखकर बिलख - बिलख कर रो रहा था इसलिए वह किसी को कुछ नहीं बताना चाहता था वह इसकी जीवन भर की कमाई थी इसलिए वह सोचा की कोई बात नहीं हम फिर से एक - एक रु. इकट्ठा करेंगे फिर वह अपने मन में जो सोच रखा था उसको पुरा करेंगे इसलिए वह अपनी जीवन भर की कमाई का भुल भी नहीं पा रहा था परन्तु क्या करें इसलिए इसे भुलना होगा और कोई नया उद्देश्य ढूँढना होगा।

प्रश्न. २० - - - - - - - - - - ?

उत्तर. २० ① प्रसंग

प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी साहित्य अन्तरा भाग II द्वारा लिया गया है इसके लेखक ~~कवि~~ हजारी प्रसाद द्विवेदी है।

② व्याख्या

लेखक कहता है कि जीवन एक शक्ति है। जीने को भी एक कला है। और कला करना ही नहीं बल्कि तपस्या है। अगर जीना चाहते तो खुलकर जीयो, अपने जीवन में मन, प्राण आदी डाल दो। और जीवन में जीना भी एक बहुत बड़ी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बड़ी बात है। और सारा संसार अपने-अपने मतलब के लिए जी रहे हैं और सब पुरुष को अपनी पत्नी को समझने का भाव होना चाहिए कोई तो स्वार्थ हेतु पुत्र माँगते हैं उनको पुत्री अच्छी नहीं लगती है। परन्तु पत्नी ही प्रिया नहीं होती सब मतलब के लिए होते है।

③ विशेष ① इसकी भाषा सरल है।
② इसमें अनुप्रास अलंकार का प्रयोग किया है

प्रश्न. २१ - - - - - - - - ?

उत्तर. २१ ① प्रसंग

प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी साहित्य अन्तरा भाग II द्वारा संकलित है। केदारनाथ सिंह कवि है।

② व्याख्या

कवि कहता है कि यह दीप अकेला है जो स्नेह से भरा हुआ है यह मौजा है। और यह दीप आगन में जलकर सबको रौशनी प्रदान करता है। यह गाय की तरह है कामधेनु का गोबर, गोमूत्र, दूध, दही, घी आदि अच्छी चीज लोग इसको पूजते हैं यह अंकुर की तरह है जो तोड़ने पर और उगाना पड़ता है सूर्य भी धूप में तपता है निडर होकर रौशनी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		प्रधान करता है यह प्रकृति, स्वयं भूमि, पृथ्वी, आदि को शक्ति देता है। यह दीप अकेला है परन्तु स्नेह से भरा हुआ है यह गर्व से रोशनी प्रधान करता है।
		③ विशेष
		① इसकी भाषा सरल है।
		② इसमें अनुप्रास अलकांर का प्रयोग किया गया है।
		③ इसमें छंद का प्रयोग किया गया है।
प्रश्न.	14	
उत्तर:	14	विशेष लेखन में उस पत्रकारिता की जानकारी होनी चाहिए जिसके जरिये में कोई विशेष सूचना एक-दूसरे के पास पहुँचा सके विशेष लेखन पत्रकारिता खेल से जुड़ी हुई है।

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न . 24		
उत्तर .	24	हमारा स्वास्थ्य और भोजन

① प्रस्तावना
② हमारा स्वास्थ्य व भोजन दुष्प्रभाव
③ सामाजिक प्रभाव
④ आर्थिक प्रभाव
⑤ उपाय
⑥ उपसंहार

① प्रस्तावना

आज के युग में हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और भोजन पर भी क्योंकि भोजन में लोग इतनी दवाइयां का प्रयोग करते है लोग बहुत बीमार हो रहे है। परन्तु कहते है ना लोग मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है इसलिए जितना हो सके इन सब चीजों से दूर रहे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे और इन सब चीजों से दूसरों को भी बचाये।

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2) हमारा स्वास्थ्य व भोजन के दुष्प्रभाव

हमारे स्वास्थ्य पर दवाइयों की चीज खाने से अनेक बीमारी हो रही है एक हम इधर-उधर गन्दगी फैलाकर रखते जिससे अनेक प्रकार मच्छर पनपते है जिससे अनेक बीमारी फैल रही है इनको काटने पर हम बीमार हो जाते इसलिए अपने आस-पास के वातावरण को साफ रखे और हो सके जितना स्वास्थ्य पर ध्यान दे इसलिए हमें चाट-पकौड़ी भी नहीं खाने चाहिए। हम ऐसी गन्दगी से बचकर स्वच्छ रहना चाहिए।

(3) सामाजिक प्रभाव

ऐसी महामारी का सामना पूरे विश्व को करना पड़ रहा है इसलिए हमें दवाइयों की सब्जियाँ के लिए मुद्दा उठाये और सरकार के विरुद्ध आन्दोलन करे हम समाज के कल्याण के लिए कुछ न कुछ कदम उठाने चाहिए इसमें कोई बुराई नहीं एक-दूसरे की सहायता करना ही।

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

④ **आर्थिक प्रभाव**

हमारे स्वास्थ्य व भोजन में बहुत तेजी से आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है खाने में कमी, फैक्ट्रियाँ आदि, उद्योग से देश को बहुत नुकसान हो रहा है इसलिए हमें तेजी से इसका सामना करके इस स्थिति से बाहर निकल जायेंगे इसलिए में खाद्य सामग्री का विकास कम - कम करे परन्तु अच्छी बेहतरीन खाद्य सामग्री का विकास करें।

⑤ **उपाय**

① हमें आस-पास के वातावरण को साफ-सुथरा रखना चाहिए।
② हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।
③ हमें चाट-पकौड़ी से दूर रहे।
④ हमें रुपईयों की चीजों से दूर अर्थात् सब्जी, मिठाईयाँ आदि।
⑤ हमें हैजा, टाइफाइड जैसी बीमारियों से दूर रखना चाहिए।

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	⑥	उपसंहार इस बीमारी ने पूरे विश्व को घेर रखा प्रतिदिन आठ से दस लोग मारे जाते है इसलिए जितना हो सके हमें उससे उतना ही दुर रहना चाहिए इसलिए हमें इस दवाइयाँ की चीजों से दुर रहना चाहिए और इसी बीमारी से बचना चाहिए और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। इसलिए हमें ~~इस~~ पूरी तरह से सर्तक रहना चाहिए। कार्य समाप्त

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1797/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSVR-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024